



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिषादन
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 27, 1976/फाल्गुन 8, 1897
No. 50] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 27, 1976/PHALGUNA 8, 1897

स भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सफलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 27th February 1976

SUBJECT.—*Information/Procedure regarding Exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangement.*

No. 6-ETC(PN)/76.—Further to Public Notice No. 44-ETC(PN)/75 dated 15th October, 1975, it has been decided in consultation with the Government of Yugoslavia that further exports of selected products be allowed under Limited Rupee Payment Arrangement. An approximate indication of the products and the ceilings for such rupee exports to Yugoslavia are given below:—

	(Rs. in lakhs)
1. Tyres	200
2. Sports Goods	10
3. Tractor Components	20
4. Pig Iron	100
5. Pulling and Lifting Machines	20
6. Wire Ropes	21
7. Auto Parts	10
8. Semi-tanned and finished leather	75
9. HPS Groundnuts	20
10. Tea	25
11. Pepper	5
12. Textiles	25
TOTAL	531

2. In order to regulate such exports to Yugoslavia under the Limited Rupee Payment Arrangement, the following procedure has been prescribed:

- I. Such exporters who wish to export the goods mentioned in para 1 above under the Rupee Payment Arrangement are required to have their contracts registered with immediate effect with the concerned Agency indicated in the enclosure to this Public Notice. Only such exporters need to apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by the Yugoslav authorities. While doing so, the exporters are required to furnish to the Agency concerned, in duplicate, the following information in addition to the copy of the contract(s):
 - (a) Name and address of the Yugoslav importer having valid letter of authorisation issued by the Yugoslav Authorities;
 - (b) Contract number and date;
 - (c) Delivery schedule;
 - (d) Indian Port from which the shipment is to be effected for export;
 - (e) Commodity and value thereof involved;
 - (f) Name of the Yugoslav Port to which the shipment is to be booked for export.
- II. The Agency concerned will register the contracts on first come, first served basis and issue necessary advice to the exporters and the Port Licensing Authority (in case of items which are under Export Control), and to the Customs Authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under OGL 3).
- III. The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under OGL 3) for export to Yugoslavia in Rupees to the Export Control Authorities and the ETC Authorities shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with Export Policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are not under Export Control and those which are under OGL 3 shall be allowed directly by the Customs Authorities in the normal manner.
- IV. The particulars of shipment, value, contract number, name of exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e., by the 15th and the 30th of each month to the Ministry of Commerce (Shri R. M. Abhyankar, U.S.) New Delhi by name.

3. Exporters are advised to note that all contracts for export in Rupees to Yugoslavia under this arrangement must have the prior approval of the concerned Agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned Agency as soon as the shipment from India takes place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned Agencies, indicated in the enclosure to this Public Notice and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are reached.

ENCLOSURE

List of Registering Agencies of contract for Export to Yugoslavia under Rupee Payment Arrangement

1. Engineering Export Promotion Council, Calcutta.
2. Indian Oil and Produce Exporters Association, Anna Bhawan, Plot No. 87-C, Broach Street, Bombay.
3. The Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay.
4. Silk and Rayon Export Promotion Council, Bombay.
5. Chemicals & Allied Product Export Promotion Council, Calcutta.
6. Sports goods Export Promotion Council.
7. SAIL International, Calcutta and New Delhi.
8. Leather Export Promotion Council, Madras.
9. Spices Export Promotion Council.
10. Tea Board, Calcutta.

P. K. KAUL,
Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1976.

विषय.—संश्लिष्ट रुपया-भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए निर्यातों के सम्बन्ध में जानकारी/क्रियाविधि।

सं० 6-ई टी सी (पी एन)/76.—सार्वजनिक सूचना संख्या : 44-ई टी सी (पी एन)/75, दिनांक 15-10-1975 से प्रारंभ यह निश्चय किया गया है कि चुने हुए उत्पादों के निर्यातों को सीमित रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृति दे दी जाए। उत्पादों का लगभग संकेत एवं यूगोस्लाविया को इस प्रकार के रुपया निर्यात की उच्चतम सीमा नीचे दी गई है :—

	रुपये लाख में
1. टायर	200
2. क्रीडा-सामग्री	10
3. ट्रेक्टर के संघटक	20
4. कच्चा लोहा	100
5. पुलिंग और लिफ्टिंग मशीन	20
6. तार के रस्से	21
7. औटो के पुर्जे	10
8. आधा कमाया हुआ और तैयार किया हुआ चमड़ा	75
9. एच० पी० एम० मृगकर्ता	20
10. चाय	25
11. काली मिर्च	5
12. वस्त्र	25
	531

2. सीमित रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए ऐसे निर्यातों का नियमन करने हेतु निम्नलिखित क्रियाविधि निर्धारित की गई है :—

1. ऐसे निर्यातक जो रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत उपर्युक्त कड़िका 1 में उल्लिखित माल का निर्यात करना चाहते हैं उन्हें चाहिए कि वे तत्काल ही अपनी सविदाएं इस सार्वजनिक सूचना के संलग्नक में दिए गए सम्बन्धित अभि-करणों के पास पंजीकृत करा दें। केवल उन निर्यातकों को आवेदन करना चाहिए जिनके पास यूगोस्लाविया के उस आयातक के साथ की गई सविदा है जिनके

पास जारी किया गया बंध आयात लाइसेंस है। ऐसा करते समय निर्यातकों को चाहिए कि वे सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद को संविदा की प्रति के अतिरिक्त निम्नलिखित जानकारी की दो प्रतियां भेजें :—

- (क) उस यूगोस्लाव आयातक का नाम और एता जिसके पास यूगोस्लाव प्राधिकारियों द्वारा जारी किया हुआ बंध प्राधिकरण पत्र है।
 - (ख) संविदा की संख्या एवं दिनांक
 - (ग) सुपुर्दगी सारणी
 - (घ) उस भारतीय पत्तन का नाम जहां से निर्यात के लिए लदान प्रभावी किया जाना है।
 - (ङ) उसमें शामिल पण्यवस्तु एवं उसका मूल्य
 - (च) उस यूगोस्लाव पत्तन का नाम जिसके लिए निर्यात के लिए लदान बुक किया जाना है।
2. निर्यात संवर्धन परिषद् पहले आए सो पहले पाए के आधार पर संविदाएं पंजीकृत करेंगी और निर्यातकों एवं पत्तन लाइसेंस प्राधिकारी को (उन मदों के मामले में जो निर्यात नियंत्रण के अधीन हैं) और सीमाशुल्क प्राधिकारियों को (उन मदों के मामले में जोकि निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं है और जो खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3 के अन्तर्गत शामिल की गई हैं) आवश्यक परामर्श जारी करेगी।
 3. निर्यातक निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों को यूगोस्लाविया के लिए निर्यात के लिए नियंत्रित मदों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत आने वाली को छोड़ कर) रुपये में लदान बिलों को भेजेगा और निर्यात नियंत्रण प्राधिकारी केवल नियंत्रित मदों के निर्यात के लिए ही स्वीकृति देंगे और यह स्वीकृति लदान बिल (बिलों) को पास करने की तारीख को इन मदों के लिए लागू निर्यात नीति के अनुसार लदान बिलों पर पृष्ठकन करके दी जाएंगी। उन मदों के सम्बन्ध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा सामान्य विधि से दे दी जाएगी जो निर्यात नियंत्रण के अधीन है और जो खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3 के अन्तर्गत आती है।
 4. लदान, मूल्य, संविदा संख्या एवं निर्यातक के नाम के धरि सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा वाणिज्य मंत्रालय (श्री आर० एम० अभयंकर, अवर सचिव), नई दिल्ली के नाम में एक पखवार में एक बार अर्थात् प्रत्येक मास की 15 तारीख को एवं 30 तारीख को भेजे जाएंगे।

3. निर्यातकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे इसे नोट कर लें कि इस व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए रुपये में सभी निर्यात संविदाओं के लिए सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद् का पूर्व अनमोदन प्राप्त होना चाहिए और यह उनकी संविदाओं के पंजीकरण द्वारा होगा।

4. निर्यातकों को और आगे यह सलाह दी जाती है कि भारत से जैसे ही लदान प्रभावी होता है वे उसके बारे में सम्बद्ध अभिकरण को सूचना दें।

6. विभिन्न मदों के लिए उच्चतम सीमा की निगरानी इस सार्वजनिक सूचना के संलग्नक में दी गई सम्बद्ध अभिकरणों द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूरी हो जाती है, वे संविदाओं का पंजीकरण बन्द कर देंगे।

संलग्नक

रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया को निर्यात करने के लिए संविदा का रूजीकरण करने वाले अभिकरणों की सूची।

1. इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद्, कलकत्ता
2. भारतीय तेल और उत्पाद निर्यातक संघ, आसाम भवन, प्लॉट संख्या 8 87-सी, बीच स्ट्रीट, बम्बई
3. सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई
4. रेशम और रेयन निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई
5. रसायन और सम्बद्ध उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद्, कलकत्ता
6. क्रोडा-सामग्री निर्यात संवर्धन परिषद्
7. सेल इन्टरनेशनल, कलकत्ता और नई दिल्ली
8. चमड़ा निर्यात संवर्धन परिषद्
9. मसाला निर्यात संवर्धन परिषद्
10. चाय बोर्ड, कलकत्ता

पी० के० कोल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

